International Parkinson and Movement Disorder Society

पार्किंसंस रोग (Parkinson's Disease) के लिए डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (Deep Brain Stimulation): रोगियों के लिए आवश्यक

Advanced अवस्था में पार्किंसंस से ग्रस्त व्यक्ति के मोटर लक्षण क्या होते हैं?

जब मरीज पार्किंसंस की दवाईयो का सेवन करते हैं तो शुरूआत मे इसका असर दिनभर रहता हैं। मरीजों की स्थिति समय के साथ खराब होने लगता है और वे यह महसूस करते है कि दवाओं के अगले खुराक तक यह असर बरकरार नहीं रहता, इस स्थिति को क्षय होना या "wearing off" कहते हैं। जब दवाई असर नहीं करता तो पार्किंसंस के लक्षण पुनः नजर आते है जैसे कंपन,काम करने मे धीमापन,चलने मे कठिनाई इत्यादि । जब पुनः दवाई लेते है तो मरीज की शारीरिक स्थिति में सुधार आता है और यह on stage कहलाता है और इसके विपरीत दवाई का असर ख़त्म होने की स्तिथि को off stage कहते है। समय के साथ मरीज़ों के शरीर मे अनैच्छिक मूवमेंट विकसित होते है जो **डिस्केनेसिया** (dyskinesia) कहलाता हैं, और परेशानी का कारण होता हैं।

Advanced अवस्था में पार्किंसंस के रोगियों को क्या मदद मिल सकती है?

आपका डॉक्टर आपकी दवा की खुराक और दवाओं के समय को परिवर्तित करके off stage और डिस्केनेसिया को कम करने की कोशिश कर सकता है। कुछ रोगियों में डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (DBS) का उपयोग ऑफ पीरियड और / या डिस्केनेसिया के लक्षण के इलाज के लिए किया जाता है जो दवा में परिवर्तन के साथ नियंत्रित नहीं होते हैं। डीबीएस (DBS) एक प्रकार की मस्तिष्क की सर्जरी है जहां एक पतली, रोधक तार (जिसे इलेक्ट्रोड भी कहा जाता है) को मस्तिष्क में गहराई से रखा जाता है। इलेक्ट्रोड एक पेसमेकर जैसी यंत्र से जुड़ा होता है जिसे छाती में त्वचा के नीचे रखा जाता है। यंत्र मस्तिष्क में एक क्षेत्र को विद्युत संकेत भेजता है जो मूवमेंट को नियंत्रित करता है। इस मस्तिष्क क्षेत्र की उत्तेजना से ऑफ पीरियड में सुधार हो सकता है और डिस्केनेसिया को कम किया जा सकता है।

डीबीएस पर किसे विचार करना चाहिए?

पी.डी. से पीड़ित वह मरीज जिसपर अभी भी दवाओं का असर हो रहा हो लेकिन दवाओं की खुराक या दवाई लेने की समय मे बदलाव करके तकलीफदेह डिस्केनेसिया या ऑफ पिरीयड से पीड़ित हैं, उनके लिए डीबीएस एक अच्छा विकल्प हैं। पी.डी. के मरीज़ों को, जिनके DBS सर्जरी किया गया है, उन्हें सामाजिक एवं पारिवारिक समर्थन की आवश्यकता होती है।

वैसे मरीज जिन्हें गंभीर रूप से ऑन के समय में भी चलने की, याददाश्त की, भ्रम की समस्या तथा गंभीर रुप से मानसिक अवसाद से ग्रसित हो वे इस ऑपरेशन के उपयुक्त नहीं होते हैं।

डीबीएस के मरीजों का चुनाव कैसे करें?

आपके डाक्टर आपको एक विशेषज्ञ न्यूरोलॉजीकल सेन्टर पर डीबीएस की सलाह लेने के लिए आग्रह करते हैं। अधिकांश डीबीएस सेन्टर मे मरीजो की शारीरीक स्थिति का जो मूल्यांकन किया जाता हैं उनमें मुख्यतः ये बातें शामिल होते है :

- एक न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा मूल्यांकन जो पी.डी. के इलाज में माहिर हैं
- मस्तिष्क स्कैन (MRI or CT) यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई मस्तिष्क परिवर्तन नहीं है जो सर्जरी को रोक सकता है
- एक न्यूरोसर्जन के साथ परामर्श जो डीबीएस सर्जरी करता है

Copyright © 2020 International Parkinson and Movement Disorder Society (MDS). All rights reserved.

International Parkinson and Movement Disorder Society

पार्किंसंस रोग (Parkinson's Disease) के लिए डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (Deep Brain Stimulation): रोगियों के लिए आवश्यक

• स्मृति और सोच सहित एक गहन मूल्यांकन

क्या यह पद्धति सुरक्षित है?

सामान्य तौर पर, डीबीएस एक सुरक्षित प्रक्रिया है। हालांकि, कभी कभी सर्जरी के समय रक्तस्राव या स्ट्रोक जैसे संभावित गंभीर दुष्प्रभाव होते हैं। उत्तेजना से संभावित दुष्प्रभाव भी होते हैं (जो उत्तेजक सेटिंग्स को बदलकर कम किया जा सकता है)। अधिकांश दुष्प्रभाव हल्के और अस्थायी होते हैं, जैसे: वजन बढ़ना, शब्दों को खोजने में कठिनाई, भाषण की गुणवत्ता में कमी और पेसमेकर या इलेक्ट्रोड संक्रमण। हालांकि आत्महत्या के बढ़ते जोखिम की खबरें आ रही है।

इसकी प्रक्रिया क्या है?

डीबीएस सर्जिकल प्रक्रिया में आमतौर पर कई घंटे लगते हैं। आप ज्यादातर समय जागते रहेंगे। अधिकांश रोगियों के लिए, मस्तिष्क के प्रत्येक पक्ष में एक इलेक्ट्रोड रखा जाता है। एक फ्रेम सर्जरी के दौरान आपके सिर को पकड़ता है ताकि इलेक्ट्रोड को ठीक से रखा जा सके। एक छोटा सा छेद खोपड़ी के प्रत्येक पक्ष में ड्रिल किया जाता है ताकि इलेक्ट्रोड रखा जा सके। बाद में, दो इलेक्ट्रोड तारों में से प्रत्येक को त्वचा के माध्यम से सुरंगित किया जाता है और एक पेसमेकर जैसी यंत्र से जुड़ा होता है (जिसे न्यूरोस्टिम्यूलेटर कहा जाता है), जिसे छाती में त्वचा के नीचे रखा जाता है।

प्रक्रिया के बाद क्या होता है?

डीबीएस के बाद, आपके डॉक्टर को एक यंत्र के साथ उत्तेजना सेटिंग्स के लिए सबसे अच्छा समायोजन निर्धारित करने की आवश्यकता होगी जो न्यूरोस्टिमुलेटर और आपकी दवा के साथ संचार करता है। सामन्यतया इस प्रक्रिया के पश्चात सर्वोत्तम समायोजन की स्थिति आते तीन से छःह माह लग जाते हैं।

लघु और मध्यम अवधि के परिणाम क्या हैं?

रोगियों को डीबीएस उपचार के साथ इन लाभों का अनुभव हो सकता है:

* ऑफ की अवधि मे कमी होना
* डिस्केनेसिया की अवधि और तीव्रता मे कमी महसुस करना
* दवाओं के खुराक की अवधि तथा मात्रा मे कमी
* गैर मूवमेंट लक्षणों में सुधार होना जैसे दर्द, उदासी या नींद का नहीं आना
* रोजमर्रा की जिन्दगी मे सुधार आना

इसके दीर्घकालिक परिणाम क्या है?

समय के साथ डीबीएस के कारण मरीज की ऑन की अवधि और डिस्केनेसिया की स्थिति मे लगातार सुधार होता है।यद्यपि डीबीएस पर्किन्सन बीमारी को न पुरी तरह से ठीक कर सकता है और न ही इसके प्रगति को रोक सकता है

Copyright © 2020 International Parkinson and Movement Disorder Society (MDS). All rights reserved.